स्वबन्धु सेवा | **परस्पर सहयोग** | **स्वाभिमान**

व्यक्तिगत प्रतिभा का विकास

आम धारणा है कि जैन समाज अधिकतर सुसम्पन्न है किंतु वास्तविकता इससे कोसों दूर है। जैन समाज में भी काफी संख्या में आर्थिक स्थिति से कमजोर वर्ग हैं व उन्हें समाज के आर्थिक, मानसिक एवम् भावनात्मक सहयोग की अपेक्षा है।

इसी विचार को ध्यान में रखकर सुप्रसिद्ध व्यवसायी श्री एन० सुगालचन्द जैन ने जैन धर्म के जीवन मूल्यों एवम् दर्शन को दृष्टिगत रखते हुए जैन्स इंडिया ट्रस्ट की स्थापना की। यह ट्रस्ट जैन समाज के कमजोर वर्ग की सहायता के साथ जैन दर्शन के जीवन मूल्यों एवम् जैन शास्त्र, साहित्य एवमं शिल्पकला के प्रचार–प्रसार में गतिशील होगा।

जैसे एक वट वृक्ष निःस्वार्थ रूप में, बिना कुछ पाने की इच्छा रखते हुए अपनी छाया तले सबको विश्राम प्रदान करता है उसी प्रकार इस ट्रस्ट का यह उद्देश्य रहेगा कि जैन समाज का कोई भाई अथवा बहन अर्थ के अभाव में शिक्षा एवम् स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे।

इस उद्देश्य कि पूर्ति के लिए यह ट्रस्ट छात्रवृत्ति एवम् आर्थिक दृष्टि से असहाय तथा कमजोर वर्ग को आर्थिक सहायता प्रदान करेगा। ताकि जैन समाज के आर्थिक दृष्टि से कमजोर बन्धु शारीरिक, मानसिक एवम् भावनात्मक दृष्टि से स्वस्थ रहकर समाज के साथ जुड़े रहें।

आप स्वबन्धु सेवा के इस महायज्ञ में सहयोगी बनें।

जैन बन्धुओं को हर प्रकार से सहायता प्रदान करना

जैन समाज के लोग अपनी गौरवशाली परम्परा के कारण अत्यंत स्वाभिमानी होते हैं और इसी कारण संकट के समय आवश्यकता पड़ने पर भी आर्थिक सहायता मांगने में

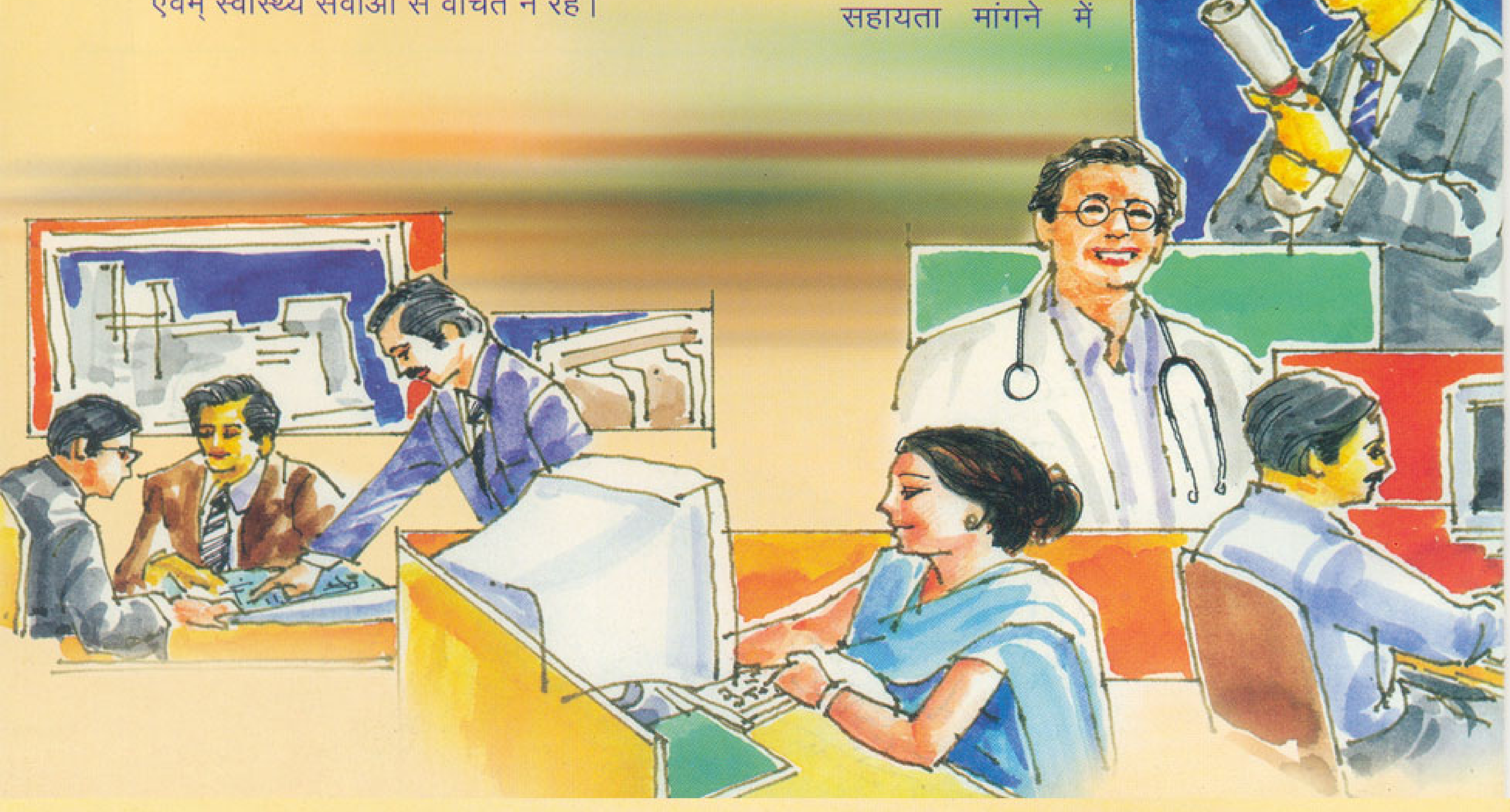

संकोच करते हैं। इसलिये हम सबको मिलकर सहायता के पात्र बंधुओं का पता लगाकर सहयोग देना है जिससे वह अपने अन्य बंधुओं की तरह बेहतर जीवन की ओर बढ़ सकें व अपने अन्य भाग्यशाली बन्धुओं की तरह रह सकें। ट्रस्ट, जैन समाज की बेहतरी के इच्छुक सभी महानुभावों से अनुरोध करता है कि वह इस संवेदनशील किंतु महत्त्वपूर्ण कार्य में सहयोग प्रदान करें।

जैन्स इंडिया ट्रस्ट, व्यक्तिगत व संस्थाओं से प्राप्त अनुदान से चलनेवाली संस्था है। प्राप्त अनुदान राशि से इसका सुरक्षित कोष बनाया गया है व इससे प्राप्त धनराशि से विभिन्न योजनाओं व उद्देश्यों को आगे चलाया जाता है। योग्य एवं प्रतिष्ठित ट्रस्टीज के संरक्षण में चलाये जा रहे **इस ट्रस्ट का सबसे अनुरोध है कि वह अधिक से अधिक आर्थिक सहायता प्रदान करें तथा सहयोग पाने के योग्य जैन समाज के गरीब, निराश्रितों के बारे में सूचना दें।**

विभिन्न प्रकार की सहायता हेतु आवश्यक राशि का विवरण निम्न प्रकार है:–

शिक्षा के लिये सहायता

एक विद्यार्थी की एक वर्ष की शिक्षा	रू 5,000/-
एक विद्यार्थी की 20 वर्ष की शिक्षा	रू 50,000/-

सहयोग

1. एक विद्यार्थी की एक वर्ष की उच्च शिक्षा हेतु	रू 25,000/-
2. एक विद्यार्थी की एक वर्ष की मेडीकल शिक्षा हेतु	रू 1,00,000/-
3. वृद्ध व रोगी के लिये मेडीकल सुविधा का प्रावधान	रू 10,000/- (न्यूनतम)

विधवा / बेसहारा महिलाओं के लिये सहायता

एक विधवा को एक वर्ष का सहयोग	रू 10,000/-
एक विधवा को 20 वर्ष का सहयोग	रू 75,000/-

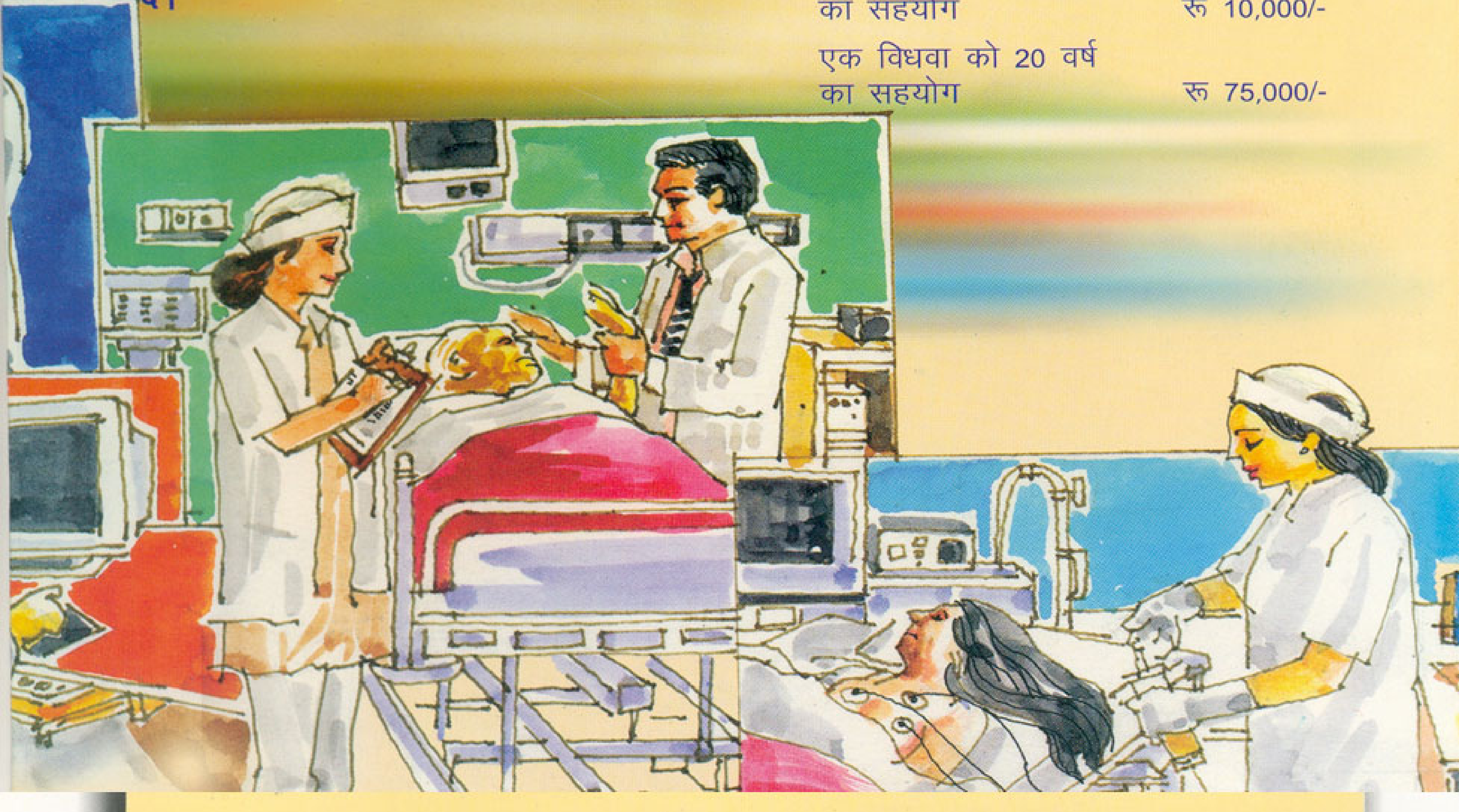

हम अनुभव करते हैं कि जैन समाज में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिनको अच्छा जीवन व्यतीत करने के लिये अनेक प्रकार की सहायता की आवश्यकता है। यह आवश्यकता इतनी बड़ी है कि कोई भी अकेला व्यक्ति / संस्था इसे संतोषजनक तरीके से संचालित नहीं कर सकता।

इसी कारण, जैन्स इंडिया ट्रस्ट, समाज के कल्याण के लिये इच्छुक आप सबको आमंत्रित करता है कि आप इस ट्रस्ट के सुरक्षित कोष को बढ़ाने के लिये अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग प्रदान करें ताकि समाज के कल्याण कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिये स्थायी प्रबन्ध हो सके।

सहायता देने वाले महानुभाव अपना चैक / ड्राफ्ट जो क्रॉस किया हुआ, चैन्नई में देय हो, जैन्स इंडिया ट्रस्ट के नाम निम्न पते पर भेज सकते हैं। किसी भी छोटी या बड़ी राशि का, विशेष उद्देश्य अथवा आम सहायता हेतु स्वागत है।

आइये! हम स्व-बन्धुओं के लिये एक अत्यन्त सुखी, सन्तुष्ट व स्वाभिमान से परिपूर्ण जीवन सुनिश्चित करें।

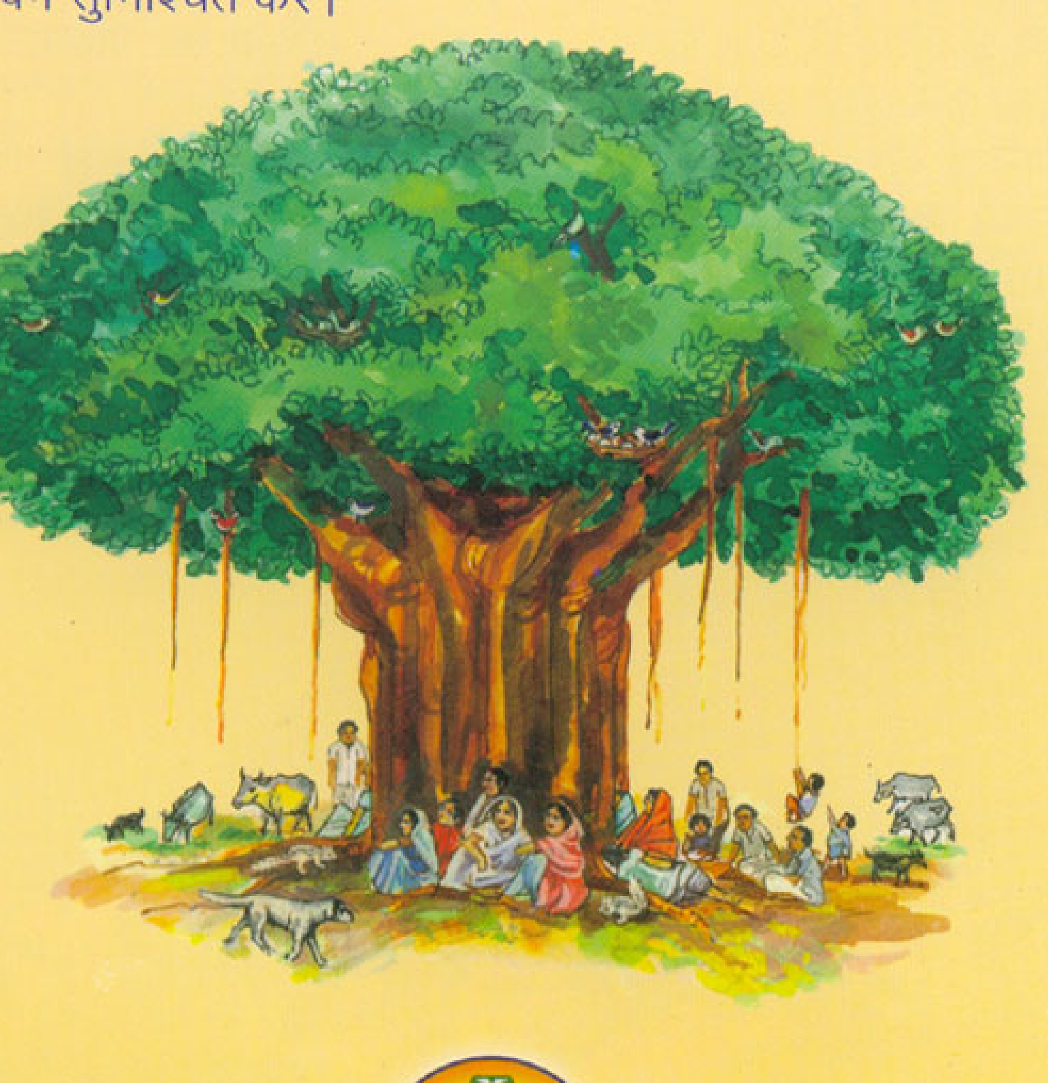

JAINSINDIA TRUST
No. 11, Ponnappa Lane, Triplicane, Chennai - 600 005.
Ph. : 28480668, 28481366, E-mail : sugalchand@yahoo.com